R-1077

B.A. First Year Regular/Private Examination, 2019-2020

HINDI LITERATURE

Paper - First

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Time : 3 Hours *Maximum Marks R/P : 80/100*

Minimum Marks R/P : 27/33

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष अंकित हैं।
नियमित छात्रों के लिए 80 अंक तथा स्वाध्यायी छात्रों के लिए 100 अंक निर्धारित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए: **[9×3]** **[11×3]**

(क) 'सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार
लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार।
राम नाम कै पटतरै देवै कौ कछु नाहिं।
क्या लै गुर संतोषिए, हौंस रही मन माँहि।'

(ख) 'हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मनक्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।
सुनत जोग लगत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।

(ग) 'गाइये गनपति जग वंदन। संकर सुवन भवानी नन्दन।
सिद्धि सदन, गज वदन विनायक। कृपा सिन्धु सुन्दर सब लायक
मोदक प्रिय, मुद मंगल दाता। विद्या वारिधि, बुद्धि विधाता।
माँगत तुलसीदास कर जारे। बसहिं राम सिया मानस मोरे।'

(घ) मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोई।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित दुति होइ।।

(ङ) झलकै अति सुन्दर आनन गौर छकै दृग राजति काननि छवै।
हंसि बोलनि में छवि फूलन की बरसा, उर ऊपर जाति ह्वै।।
लट लोल कपोल कलोल करै, जल कंठ बनी जल जावलि द्वै।

अंग–अंग तरंग उठै दुति की, परिहै मनौ रूप
अबै धर च्वैं।।

(च) साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि
सरजा सिवाजी जंग जीवन चलत हैं।
'भूषन' भनत नाद विहद नगारन के
नदी नद मद गैबरन के रलत हैं।
ऐल–फैल–खैल–मैल खलक में गैल–गैल
गजन की ठेल–पेल सैल उसलत हैं।
तारा सो तरनि धूरि–धारा में लगत जिमि
थारा पर पारा पारवारा यो हलत है।।

2. भक्ति काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। **[14/16]**

अथवा

'रीति' शब्द की व्याख्या करते हुए रीतिकाल की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. कबीर की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए। **[12/15]**

अथवा

सूरदास की काव्यकला पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि तुलसी सच्चे अर्थों में लोकनायक थे।

4. सिद्ध कीजिए कि बिहारी के काव्य में भक्ति, नीति और शृंगार की त्रिवेणी बहती है। **[12/15]**

अथवा

'धनानंद प्रेम की पीर' के अमर गायक हैं। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भूषण के काव्य में राष्ट्रीयता की विवेचना कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त में दीजिए : **[3×5=15]** **[3×7=21]**

(i) अमीर खुसरो के काव्यगत योगदान पर प्रकाश डालिए।

(ii) विद्यापति की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iii) जायसी के व्यक्तिव पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(iv) मीरा की भक्तिभावना को स्पष्ट कीजिए।

(v) रसखान के किसी एक पद को लिखिए।

(vi) केशवदास का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

◆◆◆